

विकासक एवं लेखक

ए के नायक
संगीता मोहंती
आर राजा
मोहम्मद शाहिद
बी लाल
राहुल त्रिपाठी
पी भट्टाचार्य
बी बी पंडा
प्रियंका गौतम
वी कस्तूरी थिलगम
अंजनी कुमार
जे मेहेर
के एस राव

प्रकाशक

डॉ टी महापात्र
निदेशक
केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक (ओडिशा) - 753006

फ़ोन: +91-671-2367757

ई.पी.ए.बी.एक्स.: +91-671-2367768-783

फैक्स: +91-671-2367663

ई-मेल: directorcrri@sify.com
crrietc@nic.in



© सभी अधिकार सुरक्षित
केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, आई सी ए आर

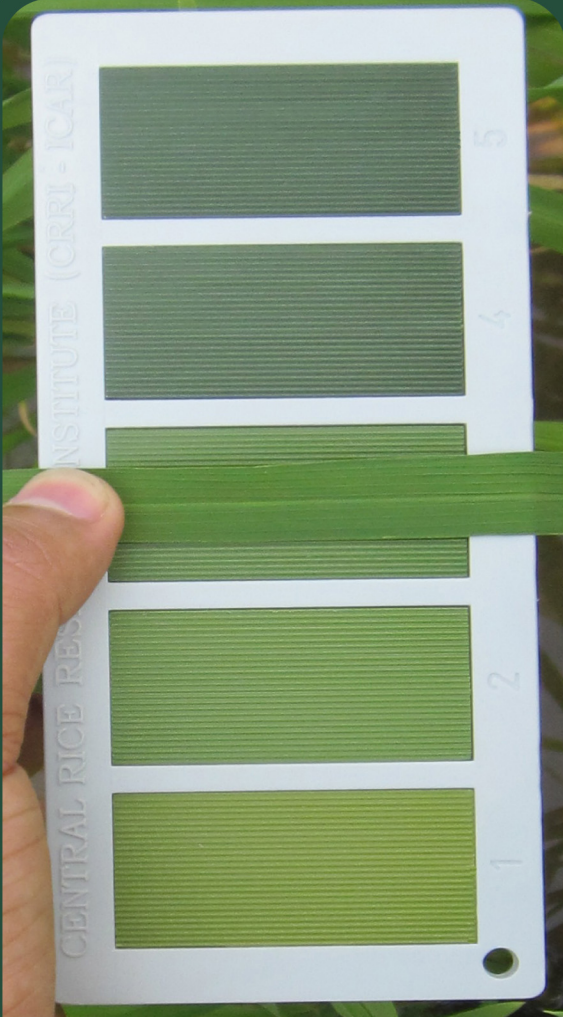
विशिष्ट रूप से निर्मित पत्ती के रंग
के चार्ट (एल सी सी) द्वारा चावल में
नत्रजन प्रबंधन

2013



केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
कटक (ओडिशा) - 753006

पकड़ने का सही तरीका



उत्पादक

नाइट्रोजन पैरामीटर्स

पोस्ट बॉक्स नंबर 8707

अदाम्बक्कम

चेन्नई -600088, भारत

फ़ोन: +91 44 6461 4580 (O)

+91 98842 2269 (M)

ई-मेल: business@nitrogenparameters.com

पत्ती के रंग के चार्ट (एल सी सी) के

उपयोग की विधि

1. रोपाई के 21 दिनों के बाद से अथवा बुवाई के 28 दिनों के बाद से चावल की किस्मों में बालियों के निकलने के शुरुआत होने तक और संकर प्रजातियों में फूलों के आने के एक सप्ताह बाद तक पत्तियों के रंग का लगातार एक सप्ताह के अंतराल पर निरीक्षण करना चाहिए।
2. एलसीसी संख्या (रीडिंग) सुबह (8 से 10 बजे के बीच) या दोपहर में (2 से 4 बजे के बीच में) एक ही व्यक्ति द्वारा लिया जाना चाहिए।
3. एलसीसी संख्या पढ़ने के लिए रोग मुक्त चावल के पौधों से पूरी तरह से विकसित दस शीर्ष पत्तियों का क्रम रहित ढंग से चयन किया जाना चाहिए।
4. पत्ती के रंग की माप शरीर की छाया में पत्ती के मध्य भाग को एलसीसी के ऊपर रखकर करना चाहिए। एलसीसी संख्या देखते समय सूर्य का प्रकाश एलसीसी पर नहीं पड़ना चाहिए।
5. यदि छह या अधिक पत्तियों की एल सी सी संख्या तालिका में बताई संख्या के नीचे हो तो तालिका में दी गई सिफारिश के अनुसार नत्रजन का उपयोग करना चाहिए।

पत्तियों के रंग के चार्ट (एल सी सी) द्वारा वास्तविक समय पर नत्रजन प्रबंधन

- पत्तियों के हरेपन का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए एलसीसी एक आसान और सस्ता तरीका है जो पत्तियों में नत्रजन की स्थिति को दर्शाता है।
- एलसीसी के द्वारा पत्तियों में नत्रजन की स्थिति और मिट्टी में नत्रजन उपयोग की सही मात्रा और समय का पता किसान स्वयं लगा सकते हैं।
- यह चावल की पत्तियों में संतुलित नत्रजन की मात्रा को बनाये रखकर नत्रजन उपयोग की उच्च क्षमता और बेहतर उपज प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है।
- विभिन्न नत्रजन स्तर में उगाई गई चावल की किस्मों की सैकड़ों पत्तियों के वर्णक्रमीय मूल्यांकन के आधार पर सी आर आर आई, कटक द्वारा विकसित एलसीसी का उपयोग करके नत्रजन की सही मात्रा और समय नीचे दिए गए तालिका के अनुसार किया जा सकता है।

चावल की विभिन्न पारिस्थितिकियों के लिए एलसीसी आधारित नत्रजन उपयोग की तालिका

विवरण	वर्षाश्रित अनुकूल निचली भूमि	वर्षाश्रित ऊंची भूमि	जलमग्न और बाढ़ प्रभावित	खरीफ सिंचित	रबी सिंचित	संकर
खेती की प्रणाली	रोपाई या सीधा बुवाई	सीधा बुवाई	रोपाई या सीधा बुवाई	रोपाई	रोपाई	रोपाई
प्रारंभिक अनुप्रयोग	रोपाई के 0-7 दिन के अन्दर/ बुवाई के 0-14 दिन के अन्दर	बुवाई के 0-14 दिन के अन्दर	रोपाई के 0-7 दिन के अन्दर/ बुवाई के 0-14 दिन के अन्दर	रोपाई के 0-7 दिन के अन्दर	रोपाई के 0-7 दिन के अन्दर	रोपाई के 0-7 दिन के अन्दर
	17 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ का प्रयोग करें	17 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ का प्रयोग करें	17 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ का प्रयोग करें	23 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ का प्रयोग करें	29 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ का प्रयोग करें	35 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ का प्रयोग करें
एलसीसी रीडिंग का प्रारंभ	रोपाई के 21 दिन बाद से/ बुवाई के 28 दिन बाद से	बुवाई के 28 दिन बाद से	रोपाई के 21 दिन बाद से/ बुवाई के 28 दिन बाद से	रोपाई के 21 दिन बाद से	रोपाई के 21 दिन बाद से	रोपाई के 21 दिन बाद से
अगला अनुप्रयोग	17 किग्रा यूरिया प्रति एकड़, जब एलसीसी की रीडिंग 3* से कम हो	17 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ जब एलसीसी की रीडिंग 3* से कम हो	17 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ जब एलसीसी की रीडिंग 3* से कम हो	23 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ जब एलसीसी की रीडिंग 3* से कम हो	29 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ जब एलसीसी की रीडिंग 3* से कम हो	23 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ जब एलसीसी की रीडिंग 3* से कम हो
अनुप्रयोग की संख्या	3 (प्रारंभिक सहित)	2 (प्रारंभिक सहित)	2 (प्रारंभिक सहित)	3 (प्रारंभिक सहित)	3 (प्रारंभिक सहित)	4 (प्रारंभिक सहित)

*घने हरे रंग के पत्तियों वाली स्वर्ण जैसी किस्मों के लिए 4, \$जब जलस्तर 5-10 सेमी गहराई से कम हो